

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना मंडला का हरित आशियाना

तारेंद्र तिवारी ने करके दिखाया, नारे नहीं, जीवनशैली बदलो तो धरती भी मुस्कुराए

मण्डला, देशबन्धु। जहां विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में जागरूकता अभियान और भाषणों की भरमार रहती है, वहीं मध्यप्रदेश के मंडला जिले के महाराजपुर निवासी पूर्व वन अधिकारी तारेंद्र कुमार तिवारी ने अपने घर को पर्यावरण के अनुकूल बनाकर एक सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका 'हरित आशियाना' न केवल ऊर्जा और जल संरक्षण की उत्कृष्ट मिसाल है, बल्कि यह टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा भी देता है।

प्राकृतिक रोशनी और ऊर्जा दक्षता का अनूठा संयोजन- करीब 6000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बने इस घर का निर्माण केवल 1500 वर्गफुट में किया गया है, जिससे शेष स्थान हरियाली और खुली हवा के लिए सुरक्षित रखा गया है। घर की डिजाइन इस तरह से की गई है कि दिनभर प्राकृतिक रोशनी बनी रहती हैक्यूबडी खिड़कियाँ, रोशनाशन और सफेद दीवारें इसके प्रमुख घटक हैं। सभी पंखे ठस्कव तकनीक पर आधारित हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की ऊर्जा रेटिंग 5-स्टार है। यही कारण है कि पूरे घर की मासिक बिजली खपत 100 यूनिट से कम रहती है।

सौर ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी कदम- घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर



पैनल लगा हुआ है, जो न केवल घर की ऊर्जा जरूरतें पूरी करता है, बल्कि अतिरिक्त बिजली को भी लौटाई जाती है। सोलर वॉटर हीटर से गर्म पानी की आवश्यकता पूरी होती है। खास बात यह है कि तिवारी ने घर में अनाज पीसने की चक्की और तेल निकालने की मशीन भी स्थापित की है, जिससे घरेलू स्तर पर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है।

जल संरक्षण की अनुकरणीय व्यवस्था- इस घर की सबसे उल्लेखनीय विशेषता है 65,000 लीटर क्षमता का भूमिगत रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम। वर्षा जल को फिल्टर कर टैंक में संग्रहित किया जाता है और यह

पानी साल भर पीने योग्य होता हैक्यूजिसकी पुष्टि जल परीक्षण से भी हो चुकी है। अतिरिक्त वर्षाजल को बगीचे में भेजा जाता है, जिससे भूजल स्तर रिचार्ज होता है। परिणामस्वरूप, घर की बोरिंग केवल 27 फीट गहराई की है, और मात्र 9 फीट पर ही पानी उपलब्ध हो जाता है जो जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय है।

जैविक खेती और हरियाली से जुड़ा जीवन- घर के पीछे विकसित बगीचे में आम, अनार, केला, पालक, मिर्च और अन्य कई फल-सब्जियाँ जैविक तरीके से उगाई जाती हैं। रसोई से निकलने वाले कचरे से खाद बनाई जाती है, और वर्मी कम्पोस्टिंग के जरिए मिट्टी की उर्वरता बनाए रखी जाती है। यह न केवल पर्यावरण हितैषी खेती का उदाहरण है, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली की ओर भी एक सार्थक कदम है।

तारेंद्र तिवारी का संदेश:- धरती केवल हमारा निवास नहीं, हमारी मां है। इसका संरक्षण हमारा धर्म और कर्तव्य दोनों है। पर्यावरण की रक्षा भाषणों से नहीं, छोटे-छोटे प्रयासों से होती है। अगर हम चाहें, तो अपने घर से ही क्रांति की शुरुआत कर सकते हैं बस जरूरत है सोच बदलने की, जीवनशैली में हरियाली शामिल करने की।

अपर कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा

मंडला, देशबन्धु। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन एवं उच्च न्यायालय के लम्बित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। 50 से अधिक दिवस के लम्बित प्रकरणों के संबंध में चर्चा करते हुए विभागों को आवश्यक निर्देश दिये।

अपर कलेक्टर ने कहा कि अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर जिले की रैंकिंग को बेहतर करने का प्रयास करें। बैठक में उच्च न्यायालय के प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, जेपी यादव, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिद्धाम सहित संबंधित उपस्थित थे।

खेल मैदान की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन



मण्डला, देशबन्धु। मंडला उपनगरीय क्षेत्र महाराजपुर में खेल मैदान की लंबित समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस महाराजपुर के तत्वधान में नगरपालिका के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। 2 वर्षों से यह खेल मैदान क्षति ग्रस्त अवस्था पड़ा हुआ है। मंडला उपनगरीय क्षेत्र महाराजपुर में एक मात्र खेल मैदान को बचाने के लिए युवा कांग्रेस के साथियों ने आंगन तिराहा पर धरना प्रदर्शन कर नगर पालिका परिषद मंडला के सीएमओ गजानंद नाष्टे के सामने विरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर सीएमओ नगर पालिका परिषद मंडला ने युवा कांग्रेस के साथियों को 5 दिनों में खेल मैदान को साफकर सर्व सुविधायुक्त कर खेल व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया। युवा कांग्रेस के द्वारा चेतावनी दी गई है कि अगर 5 दिनों में खेल मैदान की साफसफाई और व्यवस्था सुधारने का काम नहीं हुआ तो युवा कांग्रेस उग्र प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर उपस्थित युवा कांग्रेस के मयूर चौधरी, शाहरुख खान, पिंपूष पटेल, बाबा दुबे, सक्षम राय, पिंपू शुक्ला, अंकित परते, आरिश खान, वरिष्ठ कांग्रेसी जयेंद्र चौधरी, सुरेन्द्र सिंह परिहार, राजेंद्र राजपूत, संतोष सोनू भख्खी, सहित बहुत से कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

प्रचार रथ से लोगों को दे रहे मलेरिया से बचाव की जानकारी

मंडला, देशबन्धु। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया रोग का संक्रमण काल मानसून के शुरुआत से ही प्रारंभ हो जाता है जो कि माह जून-जुलाई से शुरु होकर वर्ष के माह अक्टूबर-नवम्बर तक अधिक होता है। इसकी रोकथाम एवं प्रचार-प्रसार हेतु प्राथमिकता के अनुसार जिले के मलेरिया प्रभावित ब्लाक/ग्रामों में व्यापक प्रचार-प्रसार व जन समुदाय में जागरूकता हेतु प्रत्येक वर्ष जून माह को मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है, जिसमें मलेरिया संबंधी जानकारी हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। मलेरिया निरोधक माह जून में स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मलेरिया से

बचाव एवं नियंत्रण, मलेरिया के लक्षण, तथा जांच व उपचार की जानकारी देकर जनसमुदाय में जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 6 जून 2025 को जिला चिकित्सालय परिसर मण्डला से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वाय.के. झारिया, डॉ. विजय धुर्वे, सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय एवं राम शंकर साहू, जिला मलेरिया अधिकारी मण्डला द्वारा मलेरिया रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विभाग के लोकसेवक उपस्थित रहे। मलेरिया रथ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए प्राथमिकता के आधार पर जिले के विकासखण्ड बम्हनी बंजर,

नैनपुर, मोहागांव, घुघरी, बिछिया, मवई, नारायणगंज, बीजाडांडी, निवास के मलेरिया प्रभावित हाई रिस्क ग्रामों में प्रचार-प्रसार एवं मलेरिया की जानकारी हेतु भ्रमण करेगा। जनसमुदाय में मच्छरदानी के उपयोग एवं मच्छरजन्य परिस्थितियों को रोकने हेतु कुलार, गमले, मटके, टायर, टर्कियों इत्यादि में रुके पानी को खाली करने एवं सप्ताह में एक बार अवश्य बदलने एवं लावा विनिर्जीकरण की जानकारी दी जा रही है। साथ ही बुखार रोगियों की त्वरित जांच व उपचार सुविधा भी मलेरिया रथ में उपस्थित कर्मचारी एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

एक साथ 6 विभागों में आयोजित की गई विभागीय परामर्शदात्री की बैठक



मण्डला, देशबन्धु। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के समस्त विभागों को विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने हेतु निर्देश दिया गया। इसी कड़ी में आज उप संचालक पशु चिकित्सा एवं डेयरी विकास, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक मंडला, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला आयुश अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मे एक साथ दिनांक 06 जून 2025 को बैठक आयोजित किया गया। जिसमें कर्मचारियों संगठनों द्वारा रोष किया

गया। चूँकि एक ही दिवस में 5 बैठकों के आयोजन से बैठकों की खाना-पूर्ति रही। संयुक्त मोर्चा से के.डी. दुबे, लिपिक संघ से सतीष चंदौल, वरिष्ठ पेशन संघ से बी.के राय,आजाक्स संघ से गजराज मरावी, राज्य कर्मचारी संघ से धरम सिंह धुर्वे स्वास्थ्य कर्मचारी संघ से शरद मेश्राम म-प्र. कर्मचारी कांग्रेस संघ से राधेलाल नेरटी म.प्र. तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के सतीष मिश्रा डॉ. लकी चौरसिया राज्य पत्रित आयुश अधिकारी संघ लघु वेतन से मिश्री लाल यादव सहित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि समानानुसार कार्यालय में उपस्थित हुए।

सार-समाचार

ग्राम कोटासांगवा की भूमि हेतु दावा/आपत्ति 18 जून तक प्रस्तुत करें

मण्डला, देशबन्धु। नायब तहसीलदार वृत बम्हनी, मंडला ने बताया कि ग्राम कोटासांगवा, पटवारी हल्का नंबर 4, राजस्व निरीक्षक मंडल बम्हनी, तहसील व जिला मंडला में स्थित भूमि खसरा नंबर 88, 846, 850/2 रकबा 12.8500, 8.5300, 17.0000 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में मध्यप्रदेश शासन के नाम दर्ज है। उक्त भूमि को जल परियोजना अंतर्गत ग्राम भरकी देवरी दादर में अपर बुढ़नेर बांध का निर्माण कार्य अनुबंधित है। परियोजना में क्षतिपूर्ति हेतु भूमि आवेदन पत्र कलेक्टर मंडला के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो कि इस न्यायालय में जांच प्रतिवेदन हेतु विचारार्थ में है। नायब तहसीलदार वृत बम्हनी ने उक्त भूमि को जल परियोजना अंतर्गत ग्राम भरकी देवरीदादर में अपर बुढ़नेर बांध के निर्माण कार्य अनुबंधित होने पर क्षतिपूर्ति हेतु भूमि आवंटन के संबंध में सर्वसाधारण को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से 18 जून 2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। नियत तिथि के उपरांत प्रस्तुत दावा/आपत्ति विचार योग्य नहीं होगा।

ग्राम लिमरूआ की भूमि हेतु दावा/आपत्ति 18 जून तक प्रस्तुत करें

मंडला, देशबन्धु। नायब तहसीलदार वृत बम्हनी, मंडला ने बताया कि ग्राम लिमरूआ, पटवारी हल्का नंबर 15, राजस्व निरीक्षक मंडल बम्हनी, तहसील व जिला मंडला में स्थित भूमि खसरा नंबर 1265, 1/1, 1265/1/2, रकबा 44.9900, 1.0000 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में मध्यप्रदेश शासन के नाम दर्ज है। उक्त भूमि को जल परियोजना अंतर्गत ग्राम भरकी देवरी दादर में अपर बुढ़नेर बांध का निर्माण कार्य अनुबंधित है। परियोजना में क्षतिपूर्ति हेतु भूमि आवेदन पत्र कलेक्टर मंडला के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो कि इस न्यायालय में जांच प्रतिवेदन हेतु विचारार्थ में है। नायब तहसीलदार वृत बम्हनी ने उक्त भूमि को जल परियोजना अंतर्गत ग्राम भरकी देवरीदादर में अपर बुढ़नेर बांध के निर्माण कार्य अनुबंधित होने पर क्षतिपूर्ति हेतु भूमि आवंटन के संबंध में सर्वसाधारण को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से 18 जून 2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। नियत तिथि के उपरांत प्रस्तुत दावा/आपत्ति विचार योग्य नहीं होगा।

ग्राम पंचायत रमपुरी की गुडडो बाई विश्वकर्मा की शिकायत का त्वरित निराकरण किया

मंडला, देशबन्धु। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उडके की अध्यक्षता में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंडला जिले के जनपद पंचायत नैनपुर अंतर्गत ग्राम डीलवाड़ा में चकोर नदी के उद्गम स्थल पर जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आयोजित कार्यक्रम में श्रीमति गुडडो बाई विष्वकर्मा के द्वारा ग्राम पंचायत में मरनेगा योजना अंतर्गत कार्य ना मिलने की शिकायत कर अपने लिए रोजगार की मांग की। उक्त शिकायत पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नैनपुर के द्वारा श्रीमती गुडडो बाई विष्वकर्मा के पुराने जॉब कार्ड से आवेदिका के नवीन जॉब कार्ड में आवेदिका के आधार नंबर को पिफ्ट कराने में आ रही तकनीकी समस्या का तुरंत समाधान किया गया। नवीन जॉब कार्ड में आधार नंबर को पिफ्ट करकर आवेदिका श्रीमती गुडडो बाई विष्वकर्मा के नाम से मस्टर क्रं. 15401 दिनांक 05.06.2025 से 11.06.2025 तक मस्टर जनरेट करा दिया गया। इस प्रकार से आयोजित कार्यक्रम में की गई शिकायत का त्वरित निराकरण किया गया।

द्वितीय बोर्ड परीक्षा मंडला जिले के 14 केन्द्रों में आयोजित की जाएगी

मंडला, देशबन्धु। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल के द्वारा 17 जून से आयोजित की जाने वाली द्वितीय बोर्ड परीक्षा 2025 को सम्पन्न कराने हेतु जिले में 14 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। बोर्ड की परीक्षाएं विकासखण्ड मुख्यालय में स्थित विद्यालयों में ही सम्पन्न कराई जावेंगी। द्वितीय बोर्ड परीक्षाओं को सम्पन्न कराने हेतु उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला, रानी अवंती बाई मण्डला, उमावि क्रमांक 2 मण्डला, उमावि कन्या महाराजपुर, उत्कृष्ट नैनपुर, कन्या नैनपुर, उमावि उत्कृष्ट बिछिया, उमावि कन्या बिछिया, उमावि उत्कृष्ट मवई, उमावि उत्कृष्ट घुघरी, उमावि उत्कृष्ट मोहागांव, उमावि उत्कृष्ट नारायणगंज, उमावि उत्कृष्ट बीजाडांडी, उमावि उत्कृष्ट निवास को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। बोर्ड परीक्षा प्रभारी महेन्द्र श्रीवास द्वारा दी गई।

विभागवार निर्देशों का संबंधित विभाग अनिवार्यतः पालन करें : कलेक्टर

मण्डला, देशबन्धु। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एपीसी द्वारा विगत दिनों में ली गई बैठक के संबंध में संबंधित अधिकारियों को फॉलो बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि एपीसी की बैठक में दिए गए विभागवार निर्देशों का संबंधित विभाग अनिवार्यतः पालन करें। उन्होंने बैठक में कृषि, मार्कफेड, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन, जिला सहकारी मर्यादित एवं संबंधित विभागों की समीक्षा की। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि संबंधित विभाग शासन स्तर से प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करें।

कलेक्टर ने मण्डला, निवास, बिछिया तथा नैनपुर में डबल लोक केन्द्रों के आधुनिककरण



के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने उर्वरक भंडारण की समीक्षा करते हुए जिले की क्षमता के अनुसार खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही विकासखण्डों में उपलब्ध खाद का आवश्यकतानुसार उठाव करने के निर्देश दिए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में विधायक नारायण सिंह पट्टा शामिल



मंडला, देशबन्धु। जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत बिछिया में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिछिया विधानसभा विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा ने की। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री नारायण

सिंह पट्टा ने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर फसल लगानी चाहिए। जिससे न सिर्फ अच्छा उत्पादन मिलेगा बल्कि फसल का चक्र भी बना रहेगा। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न कृषि योजनाओं, फसल विविधीकरण, जैविक खेती और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। किसानों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को भी साझा किया।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अप्रोपसंचना विकास मण्डल, भेड़ाघाट रोड धनवंतरी नगर जबलपुर पिन-482003

भारत लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजीव कॉलोनी मण्डला में मकान भूखण्ड क्र. EWS 240, 241 श्री कमलेश सोनेकर पिता श्री बुधराम सोनेकर के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय दिनांक 15.02.2024 को आवंटित के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री कमलेश सोनेकर पिता श्री बुधराम सोनेकर ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक-13.05.2024 के माध्यम से श्री भुनेश सिंह राजपूत पिता श्री छिद्रापी सिंह राजपूत को विक्रय किया है श्री भुनेश सिंह राजपूत पिता श्री छिद्रापी सिंह राजपूत द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत आपत्ति आती हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वेंद आर्पित परामर्षण प्रस्तुत: कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

समयव अधिकारी

म.प्र. गृह निर्माण एवं अप्रोपसंचना विकास मण्डल, प्रदेष्ट जबलपुर

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित 15 अगस्त तक चलेगा संकल्प से सिद्धि अभियान, जनता तक पहुंचाएंगे उपलब्धियां

मण्डला, देशबन्धु। भाजपा जिला कार्यालय में मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यशाला की शुरुआत भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को विभिन्न कार्यक्रमों का दायित्व सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। उनकी नीतियों से भारत विष्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के माध्यम से देश आत्मनिर्भर और समृद्ध बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया



कि 5 जून से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस दौरान जनपद और मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ता मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का प्रचार-प्रसार करेंगे। वहीं उन्होंने 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि संकल्प से सिद्धि के 11 साल, पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, डष् प्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, आपातकाल

का काला अध्याय जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनके प्रभारी नियुक्त किया गया है जिसमें संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के प्रभारी डष्कर संजय कुशराम तो वहीं पर्यावरण दिवस कार्यक्रम प्रभारी जयदत्त झा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के प्रभारी अखिल सिंहारे, डष् प्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस कार्यक्रम प्रभारी श्री नरेष चंदौल, आपातकाल का काला अध्याय के कार्यक्रम प्रभारी श्री राजेश जैन को सौंपा गया है।